AMITY DARPAN

(OCTOBER—NOVEMBER)

विशेष आकर्षण

- बच्चों के लेख
- स्वरचित कविताएँ
- प्रेरक कहानियाँ
- यात्रा वृतांत
- विशेष प्रार्थना सभाएँ
- उपलब्धियाँ

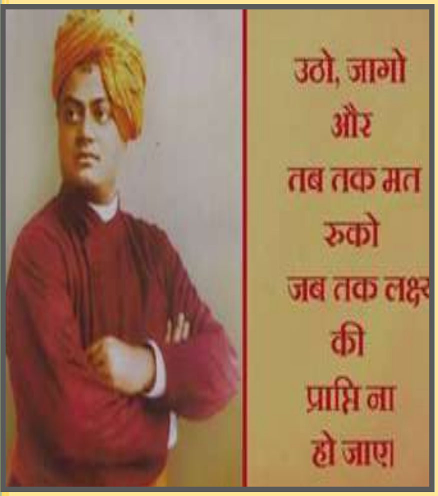

स्वास्थ्य को ही सबसे बड़ा धन माना गया है, स्वास्थ्य ठीक रहेगा तब ही हम सुख-सुविधा का आनंद ले सकते हैं।

महात्मा बुद्ध

प्रधानाचार्या की कलम से

आजकल की भाग दौड़ भरी जिंदगी तकनीकी संसाधनों के बढ़ते चलन और प्रत्येक क्षेत्र में तनावपूर्ण जिंदगी का हमारे शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों तक सभी अनेक प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारियों से ग्रस्त हैं किंतु इन बीमारियों के लिए कहीं ना कहीं हम स्वयं जिम्मेदार हैं क्योंकि हम अपने जीवन को व्यवस्थित ढंग से जीने में असमर्थ हुए हैं।

हमारे जीवन में समय नियोजन और अनुशासन का अभाव है। मोबाइल, लैपटॉप आदि पर कुछ देखना शुरू करते हैं तो कितने घंटे बीत गए इसका पता ही नहीं रहता जिससे हमें नेत्र विकार ,माइग्रेन नींद न आना ,गलत तरीके से बैठने से कमर दर्द , कंधों में दर्द ,साइटिका जैसी बीमारियाँ तो होती ही हैं साथ ही हमारे मानस पटल पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है और हमारा मन चंचल होने लगता है। स्वाभाव में चिड़चिड़ापन , अपनों से दूरी , एकाग्रता की कमी ,पढ़ाई में मन ना लगना आदि लक्षण दिखने लगते हैं। हमारी इंद्रियां हमारे वश में नहीं रहती बल्कि हम स्वयं इंद्रियों के गुलाम होने लगते हैं।

अपनी इंद्रियों को अपने वश में करने , एकाग्रता और मानसिक शांति के लिए प्रतिदिन 15 मिनट ध्यान योग को जीवन में अपनाना अनिवार्य है ताकि हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हो सके। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सुंदर ढंग से जीने में समर्थ होता है। कहा भी गया है -स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है।

अतः आप सभी निरोगी रहें इसके लिए विभिन्न गतिविधियों में भाग लेना आरम्भ करें और जीवन में उन्नति करते हुए निरंतर अपना पथ प्रशस्त करें , ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है।

सुश्री मीनू कंवर (प्रधानाचार्या)

EDITORIAL TEAM

संपादिका **पूनम त्यागी**

सह -संयोजक - शुभम यादव

जीवन को उत्सव बनाओ

त्योहार हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। ये हमें सामाजिक एकता, धार्मिक उत्साह और सांस्कृतिक धरोहर के महत्त्व पूर्ण संदेश प्रदान करते हैं। भारत में विभिन्न धर्मों, जातियों और क्षेत्रों में अनगिनत त्योहार मनाए जाते हैं, जो हमारे जीवन को रंगीन और आनंदमय बनाते हैं। ये अवसर हमें परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका देते हैं और रिश्तों को मजबूती से जोड़ते हैं।

त्योहार हमारे धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक होते हैं। ये हमें अपनी संप्रति के प्रति आदर और समर्पण की भावना दिलाते हैं। धर्मिक त्योहार हमें उन मूल्यों की याद दिलाते हैं जिन्हें हमें अपने जीवन में अनुसरण करना चाहिए।

सांस्कृतिक त्योहार हमारी विविधता और समृद्धि को प्रकट करते हैं। ये हमें अपनी संप्रति की गरिमा और महत्त्वपूर्णता का आभास कराते हैं और हमें गर्व महसूस करने का सौभाग्य प्रदान करते हैं।

समाज में त्योहारों का अपना महत्त्व होता है क्योंकि ये समृद्धि, खुशी और सद्‌गुणों की प्रोत्साहना प्रदान करते हैं। इस प्रकार, त्योहारों का महत्त्व अत्यधिक है क्योंकि ये हमारे जीवन को रोशनी और रंगीनी से भर देते हैं, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, और हमें खुशियों से भर देते हैं।

दुर्भाग्य से आजकल सब लोग त्यौहारों का मतलब छुट्टी मानने लगे हैं   आप दोपहर बारह बजे ही जागते हैं। फिर आप खूब खाते हैं और घर पर मूवी देखने या टीवी देखने चले जाते हैं। पहले ऐसा नहीं था। त्यौहार का मतलब है कि पूरा शहर एक जगह इकट्ठा होगा और एक बड़ा जश्न मनाया जाएगा। त्यौहार का मतलब है कि हम सुबह चार बजे उठ जाते हैं, और बहुत सक्रियता से, पूरे घर में बहुत सारी चीजें होती हैं।

लोगों में इस संस्कृति को वापस लाने के लिए, ईशा चार महत्त्वपूर्ण त्यौहार मनाता है: पोंगल या मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, दशहरा और दिवाली। अगर हम ऐसा कुछ नहीं बनाते हैं, तो जब तक अगली पीढ़ी आएगी, तब तक उन्हें पता नहीं होगा कि त्यौहार क्या होता है। वे बस खाएंगे, सोएंगे और दूसरे इंसान की परवाह किए बिना बड़े होंगे। इन सभी पहलुओं को भारतीय संस्कृति में सिर्फ एक आदमी को कई तरह से सक्रिय और उत्साही बनाए रखने के लिए लाया गया था। इसके पीछे का विचार हमारे पूरे जीवन को एक उत्सव में बदलना था।

आपसी वैमनस्य को भुलाकर एक-दूसरे से प्रेम के बंधन में बंधना सिखाते हैं। त्योहारों से सांस्कृतिक सद्भाव का वातावरण बनता है। त्योहारों के माध्यम से जीवन के नैतिक सामाजिक मूल्य मनोरंजन के साथ मिल जाते हैं।

वर्ष भर कोई न कोई त्योहार हमारे सांस्कृतिक जीवन को हरा-भरा करता रहता है। यह हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा ही नहीं, बल्कि हमारी धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का भी प्रतीक है। पर्व किसी भी धर्म या संप्रदाय का क्यों न हो, हम सभी भारतवासी उसे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं।त्योहार हमें जीवन की नीरसता से मुक्ति दिलाते हैं साथ ही जीवन को उत्सव बनाने में मदद हर बनाते हैं।

अतः आप सभी त्यौहारों को आनंद के साथ मनाएँ।

संपादिका
पूनम त्यागी

विशेष प्रार्थना सभाएँ

"विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का जश्न"

"युवाओं को बेहतर शहरी भविष्य बनाने के लिए जोड़ना"

इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस पर कक्षा IV C के छात्रों ने अपनी विशेष सभा के दौरान सुंदर प्रस्तुति दी । कार्यक्रम में समन्वयक श्रीमती जसलीना कोहली और श्रीमती सुनीता चोपड़ा ने भाग लिया।शुरुआत में छात्रों ने पर्यावरण से संबंधित विचार, शब्द और समाचार प्रस्तुत किए। दो छात्रों ने "हमारी साझा पृथ्वी" शीर्षक वाली कविता सुनाई।

फिरविद्यालय के संगीत गायक समूह ने "चलो मिलके..." नामक गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद छात्रों ने "पृथ्वी की कहानी" नामक नाटक में पृथ्वी, प्रकृति माँ, प्रदूषण और मनुष्य की भूमिकाएँ निभाते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने दिखाया कि कैसे प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण मनुष्यों के कार्यों से पृथ्वी को नुकसान पहुँचा है। पृथ्वी के लिए खतरे को समझने के बाद मनुष्यों ने सुधार किया और दुनिया को ठीक किया। इसके बाद "हैबिटेट हीरोज" ने मंच पर प्लेकार्ड्स लेकर अपना संदेश दिया कि हम पृथ्वी की रक्षा और संरक्षण कैसे कर सकते हैं। अंत में छात्रों ने पूरे ग्रह पर विभिन्न प्रकार के आवासों के बारे में एक मधुर धुन पर नृत्य किया। श्रीमती जसलीना ने छात्रों को उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया और अपने प्रेरक शब्दों से उन्हें प्रेरित किया। छात्रों ने 100% भागीदारी के साथ उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया।

मजेदार दिन

"ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार ने 18 से 26 सितंबर 2024 तक कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए फन डे मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीखने के साथ खुशी भरा माहौल बनाना था, जो हमारी सम्मानित अध्यक्ष महोदया, डॉ. द्वारा समर्थित समग्र विकास दर्शन को दर्शाता है। श्रीमती अमिता चौहान, जिनकी दृष्टि मनोरंजक अनुभवों के साथ शिक्षाविदों को संतुलित करने केमहत्व पर जोर देती है।

दिन की शुरुआत प्राथमिक समन्वयक महोदया, सुश्री जसलीना कोहली की ब्रीफिंग के साथ हुई, जिसके बाद छात्र खेल के मैदान की ओर चले गए। खेल विभाग द्वारा लोकप्रिय रस्साकशी सहित विभिन्न दौड़ और खेलों का आयोजन किया गया, जिससे माहौल उत्साह से भर गया।

इसके बाद स्कूल के सौजन्य से एक शानदार स्नैक ब्रेक हुआ। तरोताजा और ऊर्जावान होकर, छात्रों ने पश्चिमी संगीत विभाग द्वारा बजाए गए जीवंत संगीत पर नृत्य का आनंद लिया। उन्होंने म्यूजिकल चेयर भी बजाया और दिलचस्प टैटू बनवाए, जिससे दिन का मजा और बढ़ गया।

दिन का समापन उत्साहपूर्ण रहा, जिसमें कई छात्रों को विभिन्न खेलों और गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए पुरस्कार प्राप्त हुए। जूनियर समन्वयक महोदया, सुश्री जसलीना कोहली द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए, जिससे छात्र खुशी से झूम उठे।

जैसा कि डॉ. (श्रीमती) अमिता चौहान अक्सर कहती हैं, "सीखना एक आनंददायक साहसिक कार्य होना चाहिए, कोई काम नहीं।" इसकार्यक्रम ने उनके इस विश्वास का उदाहरण दिया कि स्कूल में खुशी को बढ़ावा देने से यह सुनिश्चित होता है कि बच्चे न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करें बल्कि आत्मविश्वास से भरे एक अच्छे इंसान बनें।

उजाले की ओर

कक्षा XA और XB के छात्रों द्वारा उजाले की ओर विषय पर कक्षा सभा प्रस्तुत की गई। छात्रों ने नाटिका प्रस्तुत की जिसका उद्देश्य वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देना और हमारे विकल्पों में स्वदेशी होना था। छात्रों को दिवाली के त्यौहार के बारे में जानकारी देने के लिए प्रश्नोत्तरी चर्चा की गई। त्यौहारों के महत्त्व को दर्शाने के लिए नृत्य प्रस्तुत किया गया।

आदरणीय प्रिंसिपल मैडम, सुश्री मीनू कंवर और वरिष्ठ समन्वयक, डॉ एसके सिंघल सर द्वारा दिवाली को "रोशनी के त्यौहार और पटाखों को न कहने" के उद्देश्य से प्रेरक संदेश दिया गया।

स्वरचित कविताएँ

वीर गाथा

रानी लक्ष्मी बाई एक स्वतंत्रता सेनानी,
है अत्यधिक साहसी
मर मिटने का जज्बा रखकर,
झांसी की आजादी के लिए लड़ना,
देश की सेवा में कभी नहीं थकना
करती लक्ष्मी बाई सबको प्रोत्साहित,
सब होते है उनके जज्बे से प्रभावित
उनकी मिसाल दी जाती है जब भी स्वतंत्र सेनानी की बात आती है
समाज में स्त्री का दर्जा ऊंचा कर ,
दिए स्त्री को उड़ने के लिए पर
भारत की आजादी के लिए दिया जो योगदान है ,
रानी लक्ष्मी बाई महान है
रानी लक्ष्मी बाई है एक स्वतंत्र सेनानी,

~ अंशिता शर्मा IX

यादें

वे बातें जो अक्सर याद आती है,
यादों में यूं ही रह जाती है
हर दिन हर काली रात,
तेरी यादों में बीती चली जाती है
तेरी डांट पर रूठना ,
तेरा प्यार से मना लेना
अपने पल्लू से आँखें पोछ ,
प्यार से पुचकारना
आज भी बहुत याद आता है ,बहुत रुलाता है।
लाल चुन्नी में लिपटा वह कफ़नआगे बढ़ता जाता है
तेरी लोरी दिलों में गूँज रही है
अब रातों को नींद उड़ी है
तेरा वो सजना सँवरना
यादों में यूं ही रह जाता है ||
आज भी बहुत याद आता है ,बहुत रुलाता है।
एक चेहरा हर पल याद आता है
सबकी निगाहें रुका करती थी वहाँ
बातों के ठहाके हुआ करते थे वहाँ
हिम्मत और साहस का अनूठा संगम था जहाँ ,
अकेले आगे बढ़ने का जज्बा था जहाँ
सबको साथ लेकर चलने का हौसला था जहाँ
सब कुछ बहुत याद आता है ,बहुत रुलाता है।

अद्विता राय XD

मेरा सबसे प्रिय पक्षी - कोयल

मेरा सबसे प्रिय पक्षी - कोयल
प्रात की बेला में, पक्षियों का कलरव हर ओर छाता है |
उनका मधुर चहचहाना वातावरण को महकाता है |
अपने घोसलों से निकलकर, स्वच्छ गगन की सैर करने,
रंग बिरंगे पंख फैलाए भिन्न-भिन्न पंछी,
सूर्य के आगमन पर नाचते गाते हैं |
नभचर मानो नभ को ही छूना चाहते हैं |
मुझे तो पक्षियों में से कोयल अधिक भाती है |
उसकी मीठी मधुर वाणी, आम को मीठा और रसीला बनती है |
पंख काले हैं पर बोली की मिठास प्यारी है |
कोयल मधुर कुहू- कुहू से,न जाने कौन से गीत गाती है |
पक्षियों की चहचहाहट के साथ
उसकी मधुर आवाज आत्मा की गहराइयों को छू जाती है |
ऐसा लगता है कि,वह हमारे लिए प्रभु का कोई अलग अनोखा संदेशा लाती है |
थक कर बैठे मानव के मन में,एक सुरीली स्फूर्ति जागती है |
उसकी वाणी की मिठास मन को एक अलग ही आनंद पहुंचती है |
इस प्यारी चिड़िया का आकार जीवन का एक सत्य समझता है |
बाहरी सुंदरता को पीछे छोड़, अंदर बसी अच्छाई का महत्व समझता है
काली होकर भी वाणी की मिठास, कोयल को एक अलग पहचान दे जाती है |
इस तरह ही मानव जीवन में .....
प्यार, विनम्रता और बोली की मिठास ही काम आती है, सबके मन को भाती है |
बाहरी साज सज्जा तो कुछ देर के लिए ही नजरों को भाती है ,
परंतु अंदर बसी सच्चाई, अच्छाई ही जीवन को महकाती है |
हमें एक अच्छा सच्चा इंसान बनाती है
इसलिए तो कोयल ही मेरे मन को भाती है |

अहान रैली, तीसरी - अ

मेरी फुटबॉल यात्रा: संघर्ष, समर्पण और सफलता

मेरा नाम आर्या है, और मैं भारत में रहती हूँ। मेरी ज़िंदगी की सबसे ख़ूबसूरत यात्रा फुटबॉल से शुरू हुई। जब मैं दूसरी या तीसरी कक्षा में थी, तब हमारे स्कूल अमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार में एक दौड़ प्रतियोगिता आयोजित हुई थी। जो बच्चे तेज़ दौड़ते थे, उन्हें खेलों में चुना जा रहा था। मेरी सबसे करीबी और प्यारी दोस्त वैशणवी ने उस दौड़ में पहला स्थान हासिल किया, और मैं दूसरे स्थान पर आई। वैशणवी को स्कूल की फुटबॉल टीम में चुना गया, और हमारी दोस्ती इतनी गहरी थी कि मैंने भी उसके साथ फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया।

शुरुआत में फुटबॉल मेरे लिए सिर्फ़ एक खेल था, कुछ समय बिताने का साधन। परंतु जैसे-जैसे दिन बीते, मैंने महसूस किया कि यह खेल मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा था। फिर मेरी ज़िंदगी में एक ऐसा व्यक्ति आया, जिसने मेरे सफर को नई दिशा दी–विजय सर, जो आज भी मेरे फुटबॉल कोच हैं। विजय सर का स्वभाव अत्यंत शांत और धैर्यशील था। उन्होंने मुझे कभी डांटा नहीं, बल्कि मेरी गलतियों को बड़े ही प्यार और धीरज से ठीक किया। वह हमेशा कहा करते थे, "गलती करना सीखने का हिस्सा है, और सच्ची सीख तब मिलती है जब हम गलती को समझ कर उसे सुधारने की कोशिश करते हैं।" विजय सर मेरे लिए सिर्फ़ कोच नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक और आदर्श बन गए थे।

हर रोज़ सुबह 6 बजे उठकर स्कूल जाना और विजय सर से फुटबॉल के नये-नये गुर सीखना मेरे दिन का सबसे उत्साहित कर देने वाला समय होता था। धीरे-धीरे मैं टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने लगी, लेकिन उस समय तक मेरे दिल में फुटबॉल के लिए वह गहरा जुनून नहीं था। फिर आया 2019, जब कोविड-19 महामारी के कारण पूरे देश में लॉकडाउन लगा और सभी गतिविधियाँ ठप हो गईं। जैसे पूरा विश्व ठहर सा गया, उसी तरह मेरा फुटबॉल से नाता भी टूट गया। ऐसा लगा मानो मैं फुटबॉल को भूल ही चुकी थी।

लॉकडाउन समाप्त हुआ, और जब मैं सातवीं कक्षा में थी, एक दिन अचानक विजय सर फिर से मेरे जीवन में लौटे। उन्होंने मुझसे कहा, "मैंने तुम्हें बहुत ढूंढा, आर्या। अब समय आ गया है कि हम फिर से अपनी फुटबॉल की प्रैक्टिस शुरू करें।" उनकी बातों में वही पुराना विश्वास और प्रेरणा थी, जिसने मेरे भीतर सोया हुआ जुनून फिर से जागृत कर दिया। मैंने प्रैक्टिस फिर से शुरू की और सातवीं के ज़ोनल टूर्नामेंट में स्ट्राइकर के रूप में हिस्सा लिया। हालाँकि मेरा स्टैमिना उस वक्त कम था, लेकिन मैंने अपनी दिल से खेलना शुरू कर दिया। सेमीफाइनल के दौरान हमारी एक खिलाड़ी चोटिल हो गई, जिससे हमारी टीम हारने के कगार पर पहुँच गई। उस पल में मैं रो पड़ी, और तभी मुझे एहसास हुआ कि फुटबॉल मेरे लिए सिर्फ़ एक खेल नहीं, बल्कि एक जुनून बन चुका है।

रोते हुए मुझे लगा कि शायद मुझे टीम से बाहर कर दिया जाएगा, लेकिन विजय सर ने मुझे समझाया और मेरा मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा, "रोने से हार नहीं माननी चाहिए, असली खिलाड़ी वही होता है जो मैदान पर अपने आंसुओं को ताकत में बदल देता है।" मैंने अपने आंसुओं को पोंछा और पेनल्टी शूटआउट में अपनी तरफ से गोल कर दिया। हम वह मैच जीत गए, और फाइनल में भी हमने जीत दर्ज की। तब मैंने अपने ऊपर गर्व महसूस किया।

लेकिन अब तक मुझे यह साफ़ नहीं था कि एक दिन मैं फुटबॉल को अपना करियर बनाना चाहूँगी। जब मैं आठवीं कक्षा में पहुँची, तो मुझे टीम की कप्तान बनाया गया। यह मेरे लिए अत्यधिक गर्व और खुशी का क्षण था। टीम की कप्तानी करते हुए मैंने ज़ोनल मैच में फिर से जीत हासिल की। उसी दौरान मैंने एक फिल्म देखी, 'बिगिल', जिसने मुझे गहराई से प्रेरित किया और मेरी सोच को बदल दिया। तभी मैंने ठान लिया कि मैं फुटबॉल को ही अपना करियर बनाऊंगी।

हालांकि, मुझे यह डर हमेशा सताता था कि शायद मेरा परिवार मुझे इस दिशा में आगे बढ़ने की अनुमति नहीं देगा। लेकिन एक कहावत है, "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।" मेरे भगवान ने मुझे हमेशा शक्ति दी और सही मार्गदर्शन किया। इस साल के मैच में मैंने अपनी तैयारी बहुत ही गंभीरता से की थी। मुझे डर था कि कहीं इस बार हम हार न जाएं। मेरी टीम पर दबाव बहुत था क्योंकि हमारी सीनियर टीम, जो कभी नहीं हारी थी, वह हार चुकी थी। लेकिन विजय सर के मार्गदर्शन और मेरे भगवान के आशीर्वाद से, हमने यह मैच भी जीत लिया।

अब मैं सीनियर्स के साथ खेलने के लिए तैयार हूँ। लेकिन मेरे मन में एक सवाल हमेशा बना रहता है: क्या मेरा परिवार मुझे फुटबॉलर बनने देगा? क्या मैं अपने देश, भारत को गर्व महसूस करा पाऊँगी?

मेरी हर लड़की से यह विनती है: "खेल में आगे आइए, अपने सपनों को साकार करने का मौका दीजिए। कोई भी मंज़िल कठिन नहीं होती, बस उसे पाने के लिए सच्ची मेहनत और समर्पण चाहिए।"

आर्या 9B

कक्षा प्रस्तुति की रिपोर्ट

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार के ग्रेड 2 के छात्रों ने जल तरंग -जल के प्रति जागरूक बनें" विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। यह कार्यक्रम स्कूल के सभागार में आयोजित किया गया था, जिसमें प्रिंसिपल मैम, समन्वयक,शिक्षक और अभिभावक सभा में उपस्थित थे।

प्रस्तुति में जल संरक्षण विषय का परिचय दिया गया और उसके बाद एक मनमोहक शिव वंदना नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस सशक्त प्रदर्शन ने नदियों को बचाने के बारे में एक मजबूत संदेश भेजा और बाकी प्रस्तुति के लिए माहौल तैयार कर दिया। नृत्य के बाद प्राथमिक समन्वयक ने दर्शकों को संबोधित किया, जिसकी शुरुआत एक प्रतिज्ञा से हुई जहां हर कोई जल संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध था।

अपने संबोधन में मैम ने इस बात पर जोर दिया कि आज की दुनिया में जल संरक्षण कितना आवश्यक है। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पानी के उपयोग के संबंध में बुद्धिमानीपूर्ण निर्णय लेने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि सम्मानित चेयरपर्सन डॉ. (श्रीमती) अमिता चौहान के नेतृत्व में संस्थान कैसे सक्रिय रूप से छात्रों में पर्यावरणीय चेतना के मूल्यों को शामिल करता है ताकि उन्हें भविष्य के दृष्टिकोण के साथ वैश्विक नेताओं के रूप में आकार दिया जा सके।

प्रस्तुति जल संसाधनों पर मानव गतिविधि के प्रभावों को प्रदर्शित करते हुए, बूंद, महासागर और प्रदूषण जैसे आकर्षक पात्रों के साथ सामने आई।

छात्रों ने जल संरक्षण के विषय को मजबूत करते हुए एक शक्तिशाली माइम एक्ट भी प्रस्तुत किया। प्रदर्शन को "वाटर फ़ैमिली" के मनमोहक नृत्यों से समृद्ध किया गया, जिन्होंने प्रदर्शित किया कि प्रदूषण उनके समुद्री आवासों को कैसे प्रभावित करता है। उनके समकालिक आंदोलनों और खूबसूरती से कोरियोग्राफ किए गए "वाटर एनिमल्स डांस" ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे नाटक में एक जीवंत दृश्य अनुभव आया। गाना बजानेवालों की मधुर प्रस्तुति ने ग्रह को बचाने में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व को प्रदर्शित करते हुए कार्यक्रम में एक भावपूर्ण स्पर्श जोड़ दिया।

राष्ट्रीय युवा रोबोटिक्स चैलेंज

ऐमिटी इंटरनैशनल स्कूल , मयूर विहार ने बुधवार, 27 नवंबर 2024 को विद्यालय की अध्यक्षा महोदया डॉ अमिता चौहान जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यालय परिसर में राष्ट्रीय युवा रोबोटिक्स चैलेंज की क्षेत्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया ।

कार्यक्रम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के प्रतिष्ठित दिग्गजों, नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के निदेशक डॉ चिंतन वैष्णव, नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन की प्रोग्राम लीड सुश्री दीपाली उपाध्याय, नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन में इनोवेशन लीड श्री शुभम गुप्ता और ऐमिटी चिल्ड्रन साइंस फाउंडेशन के प्रमुख डॉ ललित मित्तल ने भाग लिया।

विभिन्न कार्यक्रमों के निर्णायक के रूप में विज्ञान के क्षेत्र के सम्मानित सदस्य डॉ देश बंधु आहूजा, सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यवाहक निदेशक, आई.सी.ए.आर, एन.सी.आई.पी.एम, दिल्ली, डॉ. निरंजन सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, आई.सी.ए.आर, एन.सी.आई.पी.एम, दिल्ली, डॉ. राजदेव सिंह, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर, डॉ. प्रभु नारायण मीना, वैज्ञानिक, आई.सी.ए.आर, एन.सी.आई.पी.एम, दिल्ली, प्रो. डॉ. मनीष कश्यप, प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, डॉ. नेहा, संकाय सदस्य, टेरी और स्थिरता में विचार नेतृत्व नेता, श्री कैलाश चंद्र, शिक्षा अधिकारी, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. मनीषा, डॉ. एम. खोखर और सुश्री मनप्रीतआदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के 80 से अधिक स्कूलों की 220 से अधिक टीमों के 700 से अधिक प्रतिभागियों ने अभूतपूर्व भागीदारी की, जिससे पूरे स्कूल में उत्सव जैसा माहौल बन गया। प्रतियोगिता को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया था, चार श्रेणियों के नाम थे - रूट रेंजर, रोबो सॉकर, रोबो वॉर और इनोवेशन शोडाउन।

प्रतियोगिता तीन स्तरों पर आयोजित की गई थी, पहला स्तर कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए , दूसरा स्तर कक्षा 6 से 8 और तीसरा कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए थी। कुल 146 टीमों ने इनोवेशन शोडाउन कार्यक्रम में और 26 टीमों ने रूट रेंजर कार्यक्रम में , 24 टीमों ने रोबो सॉकर कार्यक्रम में और 20 टीमों ने रोबो वॉर कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ ऐमिटी की चिरकालिक संस्कृति भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई। प्रधानाचार्या , श्रीमती मीनू कँवर जी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने ऐमिटी के हर बच्चे के मन में आरम्भ से ही वैज्ञानिक स्वभाव की भावना जगाने और विज्ञान के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करने के लिए मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला। इसके बाद अतिथियों का अभिनंदन किया गया और प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा संगीत की एक एक सुंदर प्रस्तुति दी । सम्पूर्ण कार्यक्रम पूर्ण व्यवस्थित ढंग से संचालित हुआ और ऐमिटी ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की ।सभी ने कार्यक्रम की सफलता पर अध्यक्षा महोदया डॉ अमिता चौहान जी, प्रधानाचार्य श्रीमती मीनू कँवर जी के साथ - साथ सम्पूर्ण ऐमिटी परिवार को हार्दिक बधाई दी।

उपलब्धियाँ
अंतर ऐमिटी श्लोक गायन

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, साकेत द्वारा कक्षा V-VIII के लिए अंतर- ऐमिटी श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसका उद्देश्य संस्कृत श्लोकों के उच्चारण को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना और छात्रों के बीच सामूहिक कार्य को प्रोत्साहित करना था। 13 स्कूलों में से, ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार के चार छात्र, कक्षा 5 के मनमीत सिंह, कक्षा 6 के निहित अग्रवाल, कक्षा 7 की कैरवी बुद्धिराजा और कक्षा 8 की सिद्धि सिंघल ने श्लोक गायन प्रतियोगिता में भाग लिया। कक्षा 7 की कैरवी बुद्धिराजा ने शानदार उच्चारण कौशल, आत्मविश्वास और स्पष्टता का प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया और स्कूल का नाम रोशन किया। इस कार्यक्रम ने सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्कूलों को एक साथ लाया।

विश्व मानक दिवस

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार के छात्रों ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा आयोजित (विषय: SDG:9 उद्योग, नवाचार और अवसंरचना पर ध्यान केंद्रित करते हुए बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टिकोण)

विश्व मानक दिवस (होटल एसके क्लाइड ग्रैंड, सफायर कॉन्फ्रेंस हॉल, पैसिफिक बिजनेस पार्क, साहिबाबाद, गाजियाबाद समारोह)में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानकीकरण के महत्व और उत्पादों तथा सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में BIS की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। उन्होंने विभिन्न उद्योगपतियों, उत्साही लोगों, प्रधानाचार्यों और BIS मेंटर शिक्षकों को एक सुंदर ट्रॉफी प्रदान करके उनके प्रयासों को भी स्वीकार किया।

पहले सत्र में, BIS अधिकारियों और सम्मानित पैनलिस्टों ने गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को ध्यान में रखते हुए सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावनाओं पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। इसके बाद विभिन्न उद्योगपतियों, उत्साही लोगों, प्रधानाचार्यों और BIS मेंटर शिक्षकों का अभिनंदन किया गया। हमारी आदरणीय प्रिंसिपल मैडम को उनके निरंतर और अटूट समर्थन के लिए सराहा गया और हमारे BIS मेंटर, डॉ. एस.के. सिंघल सर को BIS के बारे में जागरूकता फैलाने और स्कूल और समाज में मानक उत्पादों के महत्व के लिए उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

उनकी रचनात्मकता और उत्साह को एक आकर्षक नाटक के माध्यम से भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें मानक चिह्नों और उत्पादों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। दर्शकों ने उनके प्रदर्शन को खूब सराहा और आयोजकों ने उनके प्रयासों की बहुत सराहना की। यह कार्यक्रम प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक था। छात्रों और शिक्षकों द्वारा किए गए प्रयासों की गणमान्य व्यक्तियों ने बहुत सराहना की।

अन्य उपलब्धियाँ

रुद्र कुमार ने ऐमिटी साकेत में **अल्फाबिट** ****क्विज़*** में ****द्वितीय पुरस्कार*** जीता है।

हमारी छात्रा **समनवी गुप्ता,** कक्षा 6C ने वसंत कुंज के जीडी गोयनका में आयोजित **जर्मन सोलो सिंगिंग** प्रतियोगिता में **प्रथम स्थान** प्राप्त किया है।

क्रेसेंडो टीम ऐमिटी मयूर विहार सेंट कोलंबा स्कूल में आयोजित कोलंबान फेस्ट में पुरस्कृत हुई।

बैंड श्रेणी में प्रथम स्थान

एकल गायन श्रेणी में दूसरा स्थान

मेटावर्स

रोबोट्रोनिक्स में ऐमिटी जी-46 में ऐमिटी मयूर विहार ने **रोलिंग ट्रॉफी** हासिल की है, साथ ही कई पुरस्कार भी जीते हैं:

1. *गेमिंग - प्रथम पुरस्कार*
2. *फ़ोटोग्राफ़ी - प्रथम पुरस्कार*
3. *प्रोग्रामिंग - प्रथम पुरस्कार*
4. *क्रिएटिव हैकाथॉन - प्रथम पुरस्कार*
5. *ओवरऑल क्रिएटिव - प्रथम पुरस्कार*
6. *सरप्राइज़ - द्वितीय पुरस्कार*
7. *माइनक्राफ्ट - तृतीय पुरस्कार*
8. *स्क्रैच - तृतीय पुरस्कार*

तीरंदाजी राष्ट्रीय प्रतियोगिता

22 अक्टूबर 2024 से 26 अक्टूबर 2024 तक सी बी एस ई तीरंदाजी राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

कंपाउंड राउंड अंडर -19

ऐश्वर्या शर्मा ने 3 स्वर्ण पदक जीते।

1 स्वर्ण पदक पहला; 50 मीटर स्कोरिंग राउंड में

1 स्वर्ण पदक दूसरा; 50 मीटर स्कोरिंग राउंड में ,

1 स्वर्ण पदक; दोनों स्कोरिंग राउंड में ,

ओवरऑल प्रथम स्थान कंपाउंड मिक्स टीम ने चौथी रैंक हासिल की।

1. ऐश्वर्या शर्मा

2. आरव कालरा

रिकर्व राउंड अंडर - 14

स्तव्या सिंह त्यागी ने 3 पदक जीते।

1 रजत पदक; पहला 50 मीटर स्कोरिंग राउंड में ,

1 कांस्य पदक; दूसरा 50 मीटर स्कोरिंग राउंड में और 1 रजत पदक; दोनों 50 मीटर स्कोरिंग राउंड में कुल मिलाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया